दूर्वा व्याधिविनाशाय होमयेत्।। अग्नि.पु.-81.51
सर्व व्याधि नाशार्थ दूर्वा (दूब) का हवन करना चाहिये।

यज्ञ से उत्पन्न धूम्र में **Eucalyptol, Endo-Borneol, p-Cyanoaniline** जैसे माइक्रोबियल एक्टिविटी देने वाले **Molecule** होते हैं, जिसके वायुमंडल में फैलने पर विभिन्न **Pathogenic Bacteria,Virus, Fungus** आदि से हमारा बचाव करते हैं तथा हवा को शुद्ध या कीटाणुरहित करने और पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नित्य यज्ञाग्नि का आधान जहां। धरती का है स्वर्ग वहां।।